अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसा : मृतका खुशबू कंवर के ससुराल में मातम छाया

परिवार को सांत्वना देने के लिए समाज के लोग, मोहल्ले वाले और जनप्रतिनिधि पहुंचे

पाली, (निसं)। अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे में अकाल मौत का शिकार हुई 21 साल की खुशबू कंवर राजपुरोहित का ससुराल पाली में है। वह 11 जून बुधवार को अपने सास-ससुर से आशीर्वाद लेकर पिता और जेठ के साथ अहमदाबाद एयरपोर्ट गई थी, जहां से फ्लाइट लेकर लंदन जा रही थी, लेकिन प्लेन क्रैश होने से पति से मिलने का उसका सपना अधूरा रह गया। इस हादसे से खुशबू कंवर के ससुराल और पीहर में मातम छाया हुआ है। सास-ससुर की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कहते हैं कि पता होता कि हमारी बहू के साथ ऐसा हादसा हो जाएगा, तो लंदन भेजते ही नहीं।

18 जनवरी 2025 को जोधपुर जिले के खाराबेरा पुरोहितान हाल पाली निवासी 25 साल के विपुल सिंह पुत्र गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित की शादी बोलातरा के पास अराबा गांव की रहने वाली 21 साल की खुशबू कंवर राजपुरोहित के साथ सामाजिक रीति-रिवाज के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों पति-पत्नी और उनके परिवार खुश थे। दो महीने बाद विपुल वापस लंदन चले गए। वे लंदन के सरकारी हॉस्पिटल में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। अपनी पत्नी खुशबू से वादा कर गए कि जल्द ही उसे लंदन बुला लेंगे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। लंदन में पति से मिलने से पहले खुशबू की प्लेन क्रैश होने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही विपुल भी लंदन से फ्लाइट पकड़कर इंडिया के लिए रवाना हो गए।

मृतका खुशबू के ससुराल वाले मूल रूप से जोधपुर जिले के खाराबेरा पुरोहितान गांव के रहने वाले हैं, लेकिन पिछले करीब 30 सालों से पाली शहर के जवाहर नगर मंडिया रोड क्षेत्र में रह रहे हैं। खुशबू के ससुर गजेन्द्रसिंह राजपुरोहित पाली में कपड़ा व्यापारी है। उनके 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। लंदन जाने से पहले खुशबू 11 जून को पाली अपने पिता के साथ आई थी। यहां सास-ससुर से आशीर्वाद लेकर वह अपने जेठ और पिता के साथ अहमदाबाद के लिए शाम करीब छह बजे रवाना हुई थी और 12 जून को अहमदाबाद से लंदन के लिए फ्लाइट पकड़ी थी।

- **खुशबू के ससुराल वाले 30 साल से ज्यादा समय से पाली में रह रहे हैं**

हादसे के बाद गजेंन्द्रसिंह राजपुरोहित के परिवार को सांत्वना देने के लिए समाज के लोग, मोहल्लेवाले और जनप्रतिनिधि पहुंचे। पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, कांठोस नेता महावीरसिंह सुकरलाई, पूर्व पार्षद शिवराम जाट, रमेश परिहार, एडवोकेट महेंद्रसिंह राजपुरोहित, राजू तिवारी, शांतिलाल चौपड़ा सहित कई जने गजेंद्रसिंह के घर पहुंचे और हादसे को लेकर दुख जताकर उन्हें सांत्वना देते नजर आए। खुशबू का जन्म 27 जून 2002 को हुआ था और प्लेन क्रैश हादसा भी 12 जून 2025 को हुआ है। इस हादसे ने खुशबू के पीहर पक्ष और ससुराल पक्ष के लोगों को तोड़कर रख दिया। उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि खुशबू अब नहीं रही। खुशबू की सास की आंखों से तो आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

वहीं प्लेन में उदयपुर के मार्बल व्यवसायी संजीव मोदी के बेटे शुभ और बेटी शुगन भी सवार थे। वे लंदन घूमने जा रहे थे। दोनों करने के बाद पिता के बिजनेस संभाल रहे थे। दोनों का ननिहाल पाली के वीडी नगर में है। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में अपने दोहिता-दोहिती शुभ-शुगन की मौत का समाचार सुनकर पाली से उनके नाना पदम डागा का परिवार भी सदमे में आ गया है। उनकी आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। यकीन नहीं हो रहा था कि उनके लाडले अब इस दुनिया में नहीं रहे। हादसे की खबर मिलते ही परिवार के कुछ सदस्य उदयपुर के लिए तो कुछ अहमदाबाद के लिए रवाना हुए।

आनासागर झील के गेट को बंद किया, पानी निकासी बंद

अजमेर, (कासं)। जिले में मानसून से पहले प्रशासन ने सतर्कता दिखाते हुए आनासागर झील का जलस्तर नियंत्रित करने के लिए 30 मई को दो चैनल खोले थे। झील का जलस्तर घटाने के बाद शुक्रवार को झील के गेटों को बंद कर दिया। वर्तमान में झील का जलस्तर 13 फीट था, जिसे घटाकर 10 फीट तक घटाने का लक्ष्य रखा था। यहां यह उल्लेखनीय है कि हर साल मानसून की भारी बारिश के दौर के चलते आनासागर झील का जल स्तर बढ़ने से आसपास की कॉलोनियों में जलभराव की समस्या बनी रहती है।

- **झील का जलस्तर 13 फीट से घटकर 10 फीट हुआ**

अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि आनासागर झील में शहर के अधिकांश नालों का पानी सीधे आ जाता है, जिससे झील का जलस्तर वर्ष भर करीब 13 फीट बना रहता है। मानसून में तेज बारिश के चलते झील के किनारे बसे इलाकों में कई बार जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, पिछले वर्ष भी गेट खोलकर पानी की निकासी की गई थी। उन्होंने कहा कि शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा को मद्देनजर रखते 30 मई को आनासागर झील के दो गेट खोले गए थे, जिससे पानी की निकासी की जा रही थी। झील का जल स्तर घटाने का लक्ष्य 10 फीट का रखा गया था, शुक्रवार को जल स्तर लक्ष्य तक पहुंचने के बाद पानी निकासी के लिए खोले गए गेटों को बंद कर दिया गया है। लगातार झील के जलस्तर पर नजर रखे हुए हैं। इस दौरान सिंचाई विभाग, नगर निगम और अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारी भी मौजूद रहे।

गजेंद्र सिंह ने बताया कि नगर निगम ने पहले ही शहर के सभी प्रमुख नालों की सफाई करवा ली है, ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी बाधित न हो। उन्होंने बताया कि जल स्तर को क्रमिक रूप से कम किया गया है, ताकि शहर की जल सुरक्षा बनी रहे और किसी प्रकार की आपदा की स्थिति उत्पन्न न हो। मानसून के मद्देनजर आपदा प्रबंधन और त्वरित राहत दल को भी तैयार रखा गया है, ताकि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जा सके।

हरियाणा रोडवेज व प्राइवेट बस की भिड़ंत, सवारियों को हल्की चोटें आई

पावटा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 दिल्ली-जयपुर हाइवे स्थित पावटा कस्बे के मुख्य जयपुर बस स्टैंड पर हरियाणा रोडवेज व प्राइवेट बस दुर्घटना का शिकार हो गई। हरियाणा रोडवेज में प्राइवेट बस चालक ने ओवरटेक करते समय पीछे से टक्कर मार दी। स्पीड कम होने के कारण यात्री और बस चालक इस हादसे में बाल-बाल सुरक्षित बच गए।

- **हादसे के दौरान दोनों बसों में करीब 90 यात्री सवार थे, स्पीड कम होने से हादसा टला**
- **रोडवेज बस चालक का कहना है कि हादसा प्राइवेट बस चालक के गलत ओवरटेक करने के कारण हुआ है**

प्रागपुरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को एक तरफा कर यातायात सुचारु करवाया।

प्रत्यक्षदर्शियों और हरियाणा रोडवेज बस चालक का कहना है कि हादसा प्राइवेट बस चालक के गलत ओवरटेक करने के कारण हुआ है। हरियाणा रोडवेज चालक सोनू व सह चालक सतीश ने बताया कि वह हरियाणा रोडवेज बस लेकर दिल्ली से जयपुर जा रहे थे। कोटपूतली के आसपास से एक प्राइवेट रोडवेज उनको लगातार ओवरटेक कर रही थी। जैसे ही वह पावटा स्टैंड पर सवारियां उतारने के लिए रुके प्राइवेट रोडवेज ने अनियंत्रित होकर उनके पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बस में चीख-पुकार मच गई। हादसे के समय दोनों बसों में करीब 80 से 90 यात्री सवार थे। हरियाणा रोडवेज की यह बस सुबह दिल्ली से चली थी और जयपुर जा रही थी, लेकिन बीच में ही बस दुर्घटना की शिकार हो गई। हादसे में हरियाणा रोडवेज चालक व आगे बैठी हुई सवारियों को हल्की चोटें आई है, जिन्हें पावटा उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद बस चालक ने हादसे की सूचना परिवहन निगम के अधिकारियों को दी। अधिकारियों ने हादसे की जानकारी देते हुए बताया कि हादसे की जांच की जाएगी। वहीं घटना की सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची व दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को एक तरफा कर यातायात सुचारु करवाया व दोनों वाहनों को थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा करवाया।

मुख्यमंत्री ने मृतक जयप्रकाश के परिजनों से दूरभाष पर बात की

अहमदाबाद विमान हादसे में धोरीमन्ना के बोर चारणान निवासी जयप्रकाश की मौत हो गई थी

बाड़मेर, (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले धोरीमन्ना के बोर चारणान निवासी स्व. जयप्रकाश के परिजनों से शुक्रवार को दूरभाष पर बात कर संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी और पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना ने स्व. जयप्रकाश के घर जाकर संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया। इस दौरान जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षक ने परिजनों की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से दूरभाष पर बात करवाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे में दिवंगत के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह हादसा अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि दु:ख की इस घड़ी में राज्य सरकार परिजनों के साथ है। उल्लेखनीय है कि डॉ. जयप्रकाश पुत्र धर्माराम जाट निवासी बोर चारणान अहमदाबाद में रहकर एमबीबीएस द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे जिनका 12 जून को अहमदाबाद विमान हादसे में निधन हो गया था। इस दौरान उपखंड अधिकारी भागीरथ विश्नोई, समाजसेवी अनंतराम विश्नोई, भंवार सुजाराम खींचड़, भागीरथ कड़वासरा, पी.सी. पूनिया, ओमप्रकाश मांजू ने भी सांत्वना प्रदान की।

बाड़मेर जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने बोर चारणान पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

रणथंभौर में टाइगर ने दो लोगों पर हमला किया

सवाईमाधोपुर, (निसं)। शुक्रवार को रणथम्भौर में टाईगर ने दो लोगों पर हमला किया। रणथम्भौर के उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम) ने बताया कि रिजर्व की रेंज फलौदी के कैलाशपुरी एनीकट (तालाब) नाका टोडरा वन क्षेत्र में बाउन्ड्री के पास अन्दर की ओर एक बाघ का विचरण हो रहा था। जहां पर काफी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। अधीनस्थ स्टाफ द्वारा बाघ के पास ना जाये एवं भीड़ को कम करने की समझाईश की जा रही थी। फिर भी एक व्यक्ति सीताराम सैनी गाड़ी से उतर कर तालाब के पास जाकर बाघ को देखने चला गया। बाघ के हमले सीताराम सैनी का पैर चोटिल हो गया। सीताराम सैनी को बचाने के प्रयास में बाबूलाल मीना, वन क्षेत्र में तैनात होमगार्ड भी घायल हो गया। घायलों को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचा गया, जिन्हे गंभीर चोटें नहीं आयी है तथा स्टाफ द्वारा उक्त वन क्षेत्र की लगातार मोनिटरिंग की जा रही है।

- **घायलों को उपचार हेतु अस्पताल पहुंचा गया, जिन्हें गंभीर चोटें नहीं आई है**

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

हत्या के आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया।

मेड़ता सिटी, (निसं)। ट्रक की टक्कर मारकर दो बाइक सवार की हत्या करने के मामले में दोषी आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला एवं सेशन न्यायधीश अरुण कुमार बेरीवाल ने शुक्रवार को फैसला सुनाया। जिला अभियोजक अभिमन्यु शर्मा ने बताया कि जिला न्यायधीश अरुण कुमार बेरीवाल ने थांवला थाने में 2020 में दर्ज मामले में ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवार को टक्कर मार कर हत्या करने वाले दोषी आरोपी विनोद व महावीर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं 50 - 50 हजार का जुर्माना लगाया गया। अभियोजन पक्ष द्वारा 28 गवाह व 75 दस्तावेज पेश किए गए। लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा की मामले में की पैरवी की, वहीं परिवादी की ओर से पैरवी एडवोकेट मधुसूदन जोशी और भैरू किशन जोशी ने की। मार्च 2020 थांवला थाना क्षेत्र का मामला थाने में दर्ज था।

साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021 के अंतर्गत ब्रॉड स्पेशियलिटी की 3 विशिष्टताओं में साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है।

इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि पात्रता जांच उपरांत जनरल सर्जरी के पदों के लिए 108, बायो केमिस्ट्री के पदों के लिए 6 तथा माइक्रोबायोलॉजी के पदों के लिए 6 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु सफल घोषित किया गया है। उक्त पदों के लिए संवीक्षा परीक्षा का आयोजन निर्धारित कार्यक्रमानुसार 5 मई से 25 अगस्त 2022 तक किया गया था। परीक्षा अंतर्गत पात्रता जांच के लिए जारी की गई विचारित सूचियों में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच उपरांत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु सफल घोषित किया गया है। साक्षात्कार की तिथि के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को यथा समय अवगत करवा दिया जाएगा।

निगम टीम ने एक टन पॉलीथिन जब्त की

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निगम की टीम ने शहर में पॉलीथिन के खिलाफ शुक्रवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित रामदूत कार्गो पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1000 किलोग्राम (1 टन) प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। निगम की टीम ने मौके पर ही कार्गो मालिक पर एक लाख रुपये का भारी जुर्माना भी लगाया। इस कार्रवाई से शहर में पॉलीथिन के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। नगर निगम के अधिकारी संजय खोखर ने बताया कि निगम को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि रामदूत कार्गो पर भारी मात्रा में पॉलीथिन का स्टॉक किया जा रहा है और उसे शहर में वितरित किया जा रहा है। इन्हीं शिकायतों के आधार पर निगम आयुक्त के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने शुक्रवार दोपहर अचानक कार्गो पर छापा मारा।

मकान के ताले तोड़ की गई चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। गणपतिनगर में मकान के ताले तोड़कर की गई चोरी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार कर लिए गए हैं। इनमें से एक युवक वही है जो पीडित परिवार को हरिद्वार जाने को अपने ई-रिक्शा पर स्टेशन छोड़कर आया था। दूसरा उसके गांव का और उसके साथ रहने वाला युवक है। वारदात के बाद आरोपी यूपी भाग गए थे। पुलिस टीम इनको वहां से पकड़कर लाई है।

एसएचओ सुभाषचंद्र ने बताया कि आरोपी मैनपुरी जिले के कोतवाली थाना की हिंदपुरम कॉलोनी पुलिस लाइन के निकट निवासी 28 वर्षीय राजन पुत्र महावीर सिंह व 24 वर्षीय दीपक पुत्र पटे को 12 जून शाम को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी श्रीगंगानगर में 100 फीट रोड चक 3 ई छोटी में किराए के मकान में रहते हैं। एसएचओ सुभाष ने बताया कि आरोपी राजन वारदातों का मास्टर माइंड है। उसके खिलाफ हथियार तस्करी, चोरी, नकबजनी व मारपीट के 11 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी शहर में ई-रिक्शा चलाकर वारदात के लिए ताले लगे मकानों को चिन्हित करता था। इसके बाद अपने साथी के साथ ताले तोड़कर नगदी, गहने, कीमती सामान आदि चुराकर ई-रिक्शा में डालकर ले जाते। श्रीगंगानगर में वारदात कर ट्रेन पकड़कर यूपी चले जाते।

- **स्टेशन छोड़ने गए ई-रिक्शा चालक ने दोस्त संग चोरी की वारदात की**

कुछ दिन वहां रहकर वहां वारदात करके ट्रेन पकड़कर यहां वापिस लौट आते। सूत्रों के अनुसार आरोपी राजन ने चोरी के बाद चांदी के बर्तनों को पॉलीथिन में बांधकर एक नाले में ऐसी जगह डूबोकर छुपा रखे हैं जहां से बर्तन बहकर आगे नहीं जा सकते। इसके अलावा चोरी के सोने व चांदी के गहने तथा नकदी साथ यूपी ले गया। इलेक्ट्रोनिक्स उपकरण यहां किराए के कमरे में छुपाकर भाग गया था। पीड़िता गणपतिनगर निवासी मोनिका बिहाणी ने पुलिस परिवाद में बताया कि वह अपने पति और सास के साथ 7 जून की सुबह 4 बजे वाली ट्रेन में हरिद्वार गए थे। एक ई-रिक्शा वाले ने उनको घर से बैठाकर स्टेशन तक छोड़ा था। पीड़ित परिवार ने 9 से 10 तारीख की देर रात ट्रेन से घर पहुंचकर देखा तो ताले टूटे हुए थे। लोहे की अलमारी पटकी हुई व पल्ले तोड़े हुए थे। अटैची भी तोड़ी हुई थी। कमरे में रखे दो छोटे संदूक गायब थे और घर का सामान बिखरा हुआ था। आरोपी 15 तोला सोने व चांदी के गहने, 40 हजार रुपए नगदी व उपकरण आदि सामान गायब था।

कुंड में डूबने से बच्चे की मौत

पावटा, (निसं)। आंतेला कुंड में आंतेला के रहने वाले सात वर्षीय जितेंद्र सोनी की डूबने से मौत हो गई।

बालक जितेंद्र सोनी अपने परिजनों के साथ आंतेला कुंड में स्नान करने पहुंचा था। उसी दौरान बच्चे के माता-पिता व बुआ पूजा-पाठ करने में व्यस्त हो गए। इसी दौरान बच्चा उनकी आंखों से ओझल हो गया व कुंड के पास पहुंच गया एवं फिसलकर कुंड में गिर गया। वहीं पानी में डूबकर उसकी मौत हो गई। बच्चे की डूबने की खबर मिलते ही आंतेला स्थित कुंड पर भाबरू थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तुरंत ग्रामीणों की मदद से जितेंद्र सोनी को पानी से बाहर निकाला। डूबे हुए बच्चे को बाहर निकालने के बाद सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिलने के बाद परिजन बच्चे को तुरंत शाहपुरा उपजिला अस्पताल लेकर गए। अथक प्रयास के बाद भी बच्चे की जान नहीं बचाई जा सकी।

सड़क हादसे में रिटायर्ड रेल कर्मचारी की मौत

मौत के बाद दूसरी पत्नी अस्पताल पहुंची, पहली पत्नी ने मारपीट की

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चयनगंज थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे ने न सिर्फ एक परिवार शोक में गमजदा था, तो वहीं छुपाया हुआ एक पारिवारिक रहस्य भी सार्वजनिक हो गया। सड़क दुर्घटना में मौत के बाद रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी की दूसरी शादी का राज अस्पताल में खुला तो वहां उपस्थित लोग और पुलिस अचंभित हो गए। अस्पताल पहुंची पहली और दूसरी पत्नी के बीच हाथापाई की नौबत तक आ गई, दोनों के बीच हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

जानकारी के अनुसार माकड़वाली रोड पृथ्वीराज नगर के सामने तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी के टक्कर मार दी थी। राहगीर ने घायल को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मोबाइल में नम्बर के आधार पर मिली सूचना पर उसकी दूसरी पत्नी अस्पताल पहुंची। उसने मृतक की पहली पत्नी व बच्चों को इसकी सूचना दी। जब पहली पत्नी और उसके बच्चे अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने दूसरी पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। अस्पताल में मौजूद पुलिस ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस दुर्घटना की जांच में जुटी है।

जानकारी अनुसार ईश्वरदास के पहली पत्नी पुष्पा से तीन पुत्र है। तीनों पुत्र अलग-अलग रहते हैं, जबकि ईश्वरदास पुष्पा के साथ जनता कॉलोनी व ज्योति के साथ गणेश गुवाड़ी में रहते थे। रिश्तेदारों को ईश्वरदास की मौत के बाद दूसरी शादी का राज खुल गया। ईश्वरदास चेलानी के बेटे नानकराम ने क्रिश्चियनगंज थाने में उसके पिता की सड़क हादसे में मौत का मामला दर्ज कराया है। नानकराम ने बताया कि उसके पिताजी के पास नियमित रहने वाला मोबाइल फोन, सोने की अंगूठी, चेन व दस्तावेज में आधार कार्ड, डीएल केजुअल्टी में बॉडी के साथ नहीं मिला।

अस्पताल पहुंची दोनों पत्नीयों ने एक-दूसरे से मारपीट कर दी।

- **मौत के बाद पारिवारिक रहस्य से पर्दा उठा, दूसरी पत्नी अस्पताल पहुंची, पहली पत्नी ने मारपीट की, मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया**

22 साल पहले कर ली थी दूसरी शादी :-सूचना पर जेएलएन अस्पताल पहुंची महिला ज्योति ने खुद को मृतक की दूसरी पत्नी बताया और दावा किया कि 22 साल पहले ईश्वरदास ने उससे विवाह किया था और उसे गणेश गुवाड़ी क्षेत्र में रखा था। महिला ने मृतक की पहली पत्नी व बच्चों को हादसे की सूचना दी।

दोनों के बीच हुई मारपीट :- आपातकालीन इकाई के बाहर ज्योति के साथ पुष्पा देवी और उसके बच्चे, पुत्रवधू ने मारपीट करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। ज्योति का दावा था कि 22 साल पहले ईश्वरदास ने उसके साथ शादी की थी। ईश्वरदास ने उसे गणेश गुवाड़ी में रखा था। दोनों पक्ष के हंगामा करने पर पुलिस ने बीच-बचाव किया। इस घटना ने न केवल एक सड़क दुर्घटना को पारिवारिक ड्रामे में बदल दिया, बल्कि यह सवाल भी खड़े कर दिए कि क्या ईश्वरदास का दूसरा विवाह कानूनी रूप से मान्य था और क्या परिवार के अन्य सदस्यों को इस संबंध की जानकारी थी। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। एक तरफ हादसे की जांच जारी है वहीं दूसरी तरफ मृतक की पारिवारिक स्थिति और वैवाहिक दावों की पुष्टि के लिए दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। अस्पताल परिसर में हुए हंगामे का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

झालावाड़ के कोलाना एयरपोर्ट पर पांच विमान उतरे

एविएशन अकादमी के प्रशिक्षु प्रशिक्षण ले सकेंगे

झालावाड़, (निसं)। झालावाड़ के कोलाना स्थित देश की तीसरी सबसे बड़ी पंडित दीनदयाल उपाध्याय हवाई पट्टी पर शुक्रवार को पांच एयरक्राफ्ट एक साथ उतरे, जिनको देखने के लिए काफी भीड़ एकत्रित हो गई, यह पहला ऐसा अवसर है जब किसी फ्लाइंग अकैडमी के एयरक्राफ्ट अन्य राज्य की हवाई पट्टी पर उतारे गए हो।

- **यह पहला ऐसा अवसर है जब किसी फ्लाइंग अकैडमी के एयरक्राफ्ट अन्य राज्य की हवाई पट्टी पर उतारे गए हो, पांच एयरक्राफ्ट एक साथ उतरे, जिनको देखने के लिए काफी भीड़ एकत्रित हो गई**

मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं अकादमी के कर्मचारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश के नीमच स्थित फ्लाइंग अकैडमी के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए झालावाड़ प्रशासन ने अनुमति प्रदान की है, क्योंकि फिलहाल नीमच स्थित फ्लाइंग अकैडमी के पास 1700 मी. का ट्रैक ही उपलब्ध है, ऐसे में प्रशिक्षकों को देश की सबसे लंबी हवाई पट्टी पर विमान उड़ाने और उतरने का प्रशिक्षण देने के लिए अब झालावाड़ के कोलाना स्थित हवाई पट्टी का इस्तेमाल किया जाएगा। फिलहाल फ्लाइंग अकैडमी द्वारा सार्वजनिक निर्माण विभाग झालावाड़ को प्रति एयरक्राफ्ट के हिसाब से भुगतान किया जा रहा है, लेकिन अकादमी ने विभाग से प्रस्ताव मांगे हैं जिनके अनुसार आगे भी अकादमी इस हवाई पट्टी को इस्तेमाल करने की इच्छुक है। वहीं कोलाना में भी फ्लाइंग स्कूल खोला जाना प्रस्तावित है इसी के मद्देनजर यहां देश की सबसे बड़ी हवाई पट्टी बनाई गई है, एवं हैंगर, टैक्सी वे और एप्रेन जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

झालावाड़ के कोलन स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय हवाई अड्डे का रनवे 3.2 किलोमीटर लंबा है तथा इसकी लंबाई और चौड़ाई को यह ध्यान रखते हुए निर्धारित किया गया है कि यहां बड़े से बड़े विमान उतारे जा सके। पूर्व में यहां पर एयरक्राफ्ट का मेंटेनेंस हब भी बनाया जाना प्रस्तावित था लेकिन फिलहाल वह काम अभी अधर में लटका हुआ है। लेकिन अब यहां फ्लाइंग स्कूल खोल जाना प्रस्तावित है जिसके चलते इस बड़ी हवाई पट्टी को बनाया गया है, जहां से बड़े से बड़ा विमान भी उड़ान भर सकेगा और लैंड कर सकेगा।